an>

Title: Need to provide assistance to the farmers of Vidarbha region of Maharashtra who lost their crops due to cold waves.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): महोदय, महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में शीत लहर के चलते फसलें नष्ट होने से किसानों को मदद की ज़रूरत है। मैं सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में पिछले वर्ष अति वर्षा और पिछले दिसम्बर और जनवरी महीनों में पूरे विदर्भ में शीतलहर का भारी प्रकोप रहा। इसके कारण फसलों का भारी नुकसान हुआ है। विदर्भ का किसान पहले ही अनेक समस्याओं से जूझ रहा है। अमरावती जिले के कुछ किसानों ने शीतलहर से फसलें नष्ट होने से आत्महत्या की है। अमरावती जिले के वरुड़ और मार्शी इलाकों में, जो कि मेरा इलाका है, वहाँ भी शीत लहर के कारण संतरों की फसल को बहुत नुकसान हुआ है। इसका असर तूर और कपास पर भी पड़ा है। विदर्भ में कपास मुख्य कैश क्रॉप है। शीतलहर के कारण कपास की फसल बुरी तरह से नष्ट हो गई है। इसी प्रकार से सब्ज़ियों का भी भारी नुकसान हुआ है। शीतलहर के कारण सब्ज़ियों की पत्तियाँ पूरी तरह से गल गई हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने अभी तक इस नुकसान के लिए किसानों को मदद देने की कोई घोषणा नहीं की है। विदर्भ के किसानों को इस संकट से उबारने के लिए मदद की ज़रूरत है। कुछ महीने पहले विदर्भ में भारी वर्षा के कारण किसानों की फसलों को नुकसान हुआ है। इस नुकसान से किसानों को उबरने का समय भी नहीं मिला था कि शीत लहर का प्रकोप हो गया। इन दोनों कारणों से विदर्भ का किसान पूरी तरह से तबाह होने के कगार पर है।

अतः मेरा अनुरोध है कि राज्य सरकार और केन्द्र सरकार मिलकर इस बारे में कोई योजना तैयार करे और विदर्भ के किसानों की अतिशीघ्र मदद की जाए, अन्यथा विदर्भ का किसान आत्महत्या करने को प्रेरित होगा।